



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245]
No. 245]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 19, 1984/वैशाख 29, 1906
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1984/VAISAKHA 29, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मई, 1984

का०ग्रा० 394 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, इन्चेक टायर्स लिमिटेड और
नेशनल रबर मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1984
(1984 का 17) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने
हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त
इन्चेक टायर्स लिमिटेड और नेशनल रबर मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण)
निधि का प्रशासन नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :— इन नियमों में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित
न हो —

(क) "अधिनियम" से इन्चेक टायर्स लिमिटेड और नेशनल रबर मैनु-
फैक्चरर्स लिमिटेड (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1984 (1984 का
17) अभिप्रेत है ;

(ख) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(ग) "भविष्य निधि" से संसद इन्चेक टायर्स लिमिटेड और नेशनल
रबर मैनुफैक्चरर्स लिमिटेड द्वारा, उनके स्वामित्व के किसी
या उपक्रम में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए स्थापित
भविष्य निधि अभिप्रेत है।

3. भविष्य निधि का प्रशासन :— भविष्य निधि, अधिवाषिकी निधि,
कल्याण निधि या किसी ऐसी अन्य निधि के जो उन अधिकारियों या अन्य
कर्मचारियों से सम्बन्धित है जिनकी सेवाएं अधिनियम द्वारा या उनके अधीन
केन्द्रीय सरकार या किसी विद्यमान, या किसी नई सरकारी कंपनी को अन्त-
रित कर दी गई है, खाते में जमा धन को, नियत दिन को और से, तथा
उतने समय तक जब तक उनके प्रशासन या व्ययन या दोनों के लिए अनुकूलिक
पद्धतियां निश्चित नहीं कर ली जाती, केन्द्रीय सरकार या, यथास्थिति,
विद्यमान, या नई सरकारी कंपनी द्वारा, भविष्य निधि, अधिवाषिकी निधि,
कल्याण निधि या किसी अन्य निधि और नियत दिन के ठीक पूर्व उनके प्रशासन
को लागू नियमों, विनियमों और उप-विधियों के या उनको शासित करने वाली
किसी विधि के उपबन्धों के अनुसार, ऐसे उपपत्रों में मजिद जो सम्बन्धित प्राधि-
कारी उक्त नियमों, विनियमों और उप-विधियों में करे करता जाएगा।

[का० सं० 9/11/84-एन आर]

ए० पी० सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
NOTIFICATION

New Delhi, the 19th May, 1984

S.O. 394(E).—In exercise of the powers con-
ferred by section 31 of the Inchek Tyres Limited

and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Act, 1984 (17 of 1984), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Inchek Tyres Limited and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Administration of Funds Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires —

- (a) 'Act' means the Inchek Tyres Limited and National Rubber Manufacturers Limited (Nationalisation) Act, 1984 (17 of 1984);
- (b) 'section' means a section of the Act;
- (c) 'Provident fund' means the Provident fund established by Messrs Inchek Tyres Limited and Messrs National Rubber Manufacturers Limited for the

benefit of persons employed in any of the undertakings owned by them.

3. Administration of Provident Fund.—The monies standing to the credit of the provident fund, superannuation welfare fund or any other fund relatable to the officers or other employees whose services have become transferred by or under the Act to the Central Government or an existing, or a new Government company shall, on and from the appointed day and till such time as alternative modes of their administration or disposition or both are formulated, be dealt with by the Central Government or the existing, or new, Government Company, as the case may be, in accordance with the provisions of the rules, regulations and bye-laws applicable to, or of any law governing the provident fund, superannuation fund, welfare fund or any other fund and its administration immediately before the appointed day, with such modifications as may be carried out in the said rules, regulations and bye-laws by the appropriate authority.

[File No. 9/11/84-L.R.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.